देहरादून (उत्तराखण्ड)
सोमवार 18.05.2026
समय 1305

मुख्य समाचार :–

- पुलिस महानिरीक्षक, गढ़वाल, राजीव स्वरूप ने केदारनाथ धाम में सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया।
- कुमाऊं के तराई वन क्षेत्र में मानव–वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं को लेकर वन विभाग पूरी तरह अलर्ट।
- राज्य आंदोलनकारियों के चिह्नीकरण से जुड़े लंबित मामलों के निस्तारण को लेकर देहरादून जिला प्रशासन ने तेज की प्रक्रिया।
- चमोली जिले के देवाल में 20 दिवसीय ग्रीष्मकालीन लोकगीत व लोकनृत्य कार्यशाला का आयोजन। नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ना और लोक परंपराओं को संरक्षित करना है उद्देश्य।

पुलिस महानिरीक्षक / केदारनाथ

पुलिस महानिरीक्षक, गढ़वाल, राजीव स्वरूप केदारनाथ धाम पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। साथ ही ड्यूटी पर तैनात पुलिस बल से संवाद करते हुए कर्तव्य निर्वहन में आ रही चुनौतियों का फीडबैक भी लिया। उन्होंने केदारनाथ धाम यात्रा मार्ग पर श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए ऋषिकेश से सोनप्रयाग और केदारनाथ धाम तक सुरक्षा व अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। पुलिस महानिरीक्षक ने धाम में भीड़ प्रबंधन और लाइनों में प्रतीक्षा समय कम करने सहित श्रद्धालुओं के लिए की गई अन्य व्यवस्थाओं को लेकर बदरीनाथ–केदारनाथ मंदिर समिति, पुरोहित समाज और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक कर उचित दिशा–निर्देश भी दिए।

वन विभाग अलर्ट

कुमाऊं के तराई वन क्षेत्र में मानव–वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं को लेकर वन विभाग पूरी तरह अलर्ट है। तराई पूर्व के प्रभागीय वनाधिकारी हिमांशु बांगरी ने कहा कि पूरा तराई क्षेत्र वन्यजीव के दृष्टिगत बेहद समृद्ध और संवेदनशील है, जहां वन्यजीवों की अच्छी खासी आबादी है और जंगलों से लगे क्षेत्रों में बड़ी संख्या में लोग निवास करते हैं। कई बार ग्रामीण जंगलों में आवाजाही करते हैं, जिससे अचानक वन्यजीवों से आमना–सामना हो जाता है और हादसे हो जाते हैं। उन्होंने बताया कि मानव–वन्यजीव संघर्ष को रोकने के लिए विभाग लगातार जागरूकता अभियान चला रहा है। प्रभागीय वनाधिकारी हिमांशु बांगरी ने बताया कि हाल ही में विभाग ने जंगल किनारे रहने वाले लोगों को बड़ी संख्या में टॉर्च वितरित की हैं, ताकि रात के समय लोग सुरक्षित तरीके से आवाजाही कर सकें। उन्होंने कहा कि जिन इलाकों में घटनाएं अधिक हो रही हैं, वहां जरूरत के अनुसार पिंजरे लगाए जा रहे हैं और वन्यजीवों की

गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है। प्रभागीय वनाधिकारी ने बताया कि अब विभाग वैज्ञानिक तरीके से वन्य–जीव प्रबंधन पर काम कर रहा है। इसके तहत वन्यजीवों की गणना, उनकी आवाजाही और व्यवहार का अध्ययन कर भविष्य की रणनीति तैयार की जा रही है। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि जंगल में कभी अकेले न जाएं, अंधेरे में टॉर्च का प्रयोग करें और चलते समय हल्की आवाज करते रहें, ताकि वन्यजीवों से अचानक सामना न हो।

मुख्यमंत्री पत्र

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बीते चार साल में सरकारी सेवा में चयनित हुए कार्मिकों को डिजिटल माध्यम से पत्र लिखकर, उन्हें उज्जवल भविष्य के लिए शुभकानाएं प्रेषित की है। मुख्यमंत्री ने पत्र में कहा कि बीते चार साल में राज्य सरकार द्वारा लगभग 30 हजार से अधिक युवाओं को राजकीय सेवक के रूप में नियुक्ति प्रदान की जा चुकी है और यह अभियान आगे भी जारी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के कठोर नकल विरोधी कानून के साथ ही निष्पक्ष, ईमानदार और पारदर्शी चयन प्रक्रिया ने भी युवा प्रतिभा को उचित सम्मान मिलना सुनिश्चित किया है। मुख्यमंत्री ने चयनित कार्मिकों से निष्पक्ष और ईमानदार रहकर अपने राजकीय दायित्वों का निर्वहन करने की अपील करते हुए कहा है कि राजकीय सेवक के रूप में वो मानवीय मूल्यों के साथ आमजन की सेवा में हमेशा तत्पर रहें। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कई चयनित युवाओं से दूरभाष पर बात कर, उन्हें उत्साह पूर्वक जनसेवा में योगदान देने की भी अपील की है।

राज्य आंदोलकारी चिन्हिकरण

राज्य आंदोलनकारियों के चिह्नीकरण से जुड़े लंबित मामलों के निस्तारण को लेकर देहरादून जिला प्रशासन ने प्रक्रिया तेज कर दी है। इस संबंध में जिलाधिकारी सविन बंसल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में लंबित मामलों के त्वरित निस्तारण और प्रक्रिया में पारदर्शिता पर जोर दिया गया। जिलाधिकारी ने सभी उप जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि तहसील स्तर पर लंबित चिन्हीकरण प्रकरणों पर गंभीरता से कार्रवाई करते हुए सात दिन के भीतर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। उन्होंने कहा कि राज्य आन्दोलनकारियों से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि चिन्हीकरण प्रक्रिया में क्षेत्रीय आन्दोलनकारी समितियों के सदस्यों को शामिल किया जाएगा, ताकि वास्तविक आन्दोलनकारियों के मामलों का निष्पक्ष परीक्षण हो सके। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को निर्धारित समय सीमा के भीतर रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश देने के साथ ही इसमें देरी होने पर कार्रवाई की चेतावनी भी दी।

लोक नृत्य कार्यशाला

केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय और उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र पटियाला के तत्वावधान में चमोली जिले के राजकीय इंटर कॉलेज ल्वाणी, देवाल में 20 दिवसीय ग्रीष्मकालीन लोकगीत व लोकनृत्य कार्यशाला आयोजित की जा रही है। पद्मश्री से सम्मानित राज्य की लोक गायिका बसंती बिष्ट के मार्गदर्शन में स्कूली बच्चों और ग्रामीण महिलाओं को उत्तराखंड की समृद्ध लोकसंस्कृति से जुड़े गीत और नृत्य सिखाए जा रहे हैं। इस कार्यशाला में झोड़ा, चांचड़ी, थड़्या और झूमैलो जैसे पारंपरिक लोकनृत्यों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। श्रीमती बिष्ट ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ना और लोक परंपराओं को संरक्षित करना है।

कार्यशाला को लेकर ग्रामीण महिलाओं और छात्र–छात्राओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है। प्रतिभागियों का कहना है कि इस पहल से उन्हें अपनी लोक संस्कृति को नजदीक से जानने और सीखने का अवसर मिल रहा है।

कैबिनेट मंत्री निरीक्षण

कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कल देर रावत देहरादून में अनारवाला–मालसी मोटर मार्ग पर चल रहे निर्माण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र की महत्वपूर्ण सड़क है, जिससे स्थानीय निवासियों को आवागमन में सुविधा मिलेगी तथा यातायात व्यवस्था और अधिक सुगम होगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता न किया जाए और आमजन को न्यूनतम असुविधा हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि सरकार जनता के लिए सदैव तत्पर है और जनहित के प्रत्येक कार्य को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेशवासियों को बेहतर सड़क, पेयजल, बिजली और अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।